UPSEB because of collapse of a railway bridge. While the demand of Obra TPS was met from other sources, despatches from NCL suffered to the extent of 1.5 million tonnes during this period.

(ii) As per the linkages sanctioned, Rihand TPS took 0.88 million tonnes less than their linkages during April,98 to January, 99.

Keeping in view the above demand constraints and the need to keep the stock at the manageable level, NCL had to cut back production.

(c) and (d) No, Sir.

(e) The above slackness in demand is temporary and the demand from the power houses linked to NCL is expected to increase in the year 1999-2000. Consequently, Coal production will be stepped up.

मधुबन वाशरी परियोजना में आग लगना

158. **श्री शिबू सोरेन:** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या हाल ही में भारत कोकिंग कोल लि० की मधुबन वाशरी परियोजना में लगी आग के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरु की गई है;

(ख) यदि हां, तो जांच के लिए गठित समिति के सदस्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि 12 वर्ष पूर्व वाशरी के निर्माण का ठेका एम०ए०एम०सी० नामक कंपनी को दिया गया था और इसे तीन वर्षों में पूरा करना था;

(घ) यदि हां, तो इसे आज तक पूरा न किए जाने के क्या कारण है;

(ङ) इस विलंब के कारण हुई आर्थिक क्षति का ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार इस बारे में क्या कार्रवाई कर रही है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री दिलीप राय): (क) और (ख) जी, हां। आग लगने के कारणों की जांच किए जाने के लिए निम्न सदस्यों वाली एक समिति का गठन किया गया है:—

1.	श्री एस०पी०सिंह, निदेशक (तकनीकी) पी० एण्ड पी०, भा०को०को०लि०	अध्यक्ष
2.	श्री आर० खन्ना, वाशरी प्रमुख, भा०को०को०लि०	सदस्य
3.	श्री एस० चट्टोपाध्याय, सी०जी०एम० (सी०पी०/डब्ल्यू०सी०/सी०), भाकोकोलि	सदस्य-सचिव
4.	श्री एस०सी० त्रेहन, सी०जी०एम० (एम०एम०), भाकोकोलि	सदस्य
5.	श्री बी०के० भट्टाचार्जी, जी०एम० (वित्त), भाकोकोलि	सदस्य
6.	श्री ए०पी०सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, आर-1-11, सीएमपीडीआईएल	सदस्य
7.	श्री एस० घोष, जी०एम० (सुरक्षा), भाकोकोलि	सदस्य

(ग) और (घ) मधुबन वाशरी के निर्माण का अनुबंध दिसम्बर, 1985 में मेसर्स माइनिंग एण्ड एलाइड मशीनरी कारपोरेशन लि० जो भारत सरकार का एक उपक्रम है, को टर्न-की आधार पर प्रदान किया गया था और एम०ए०एम०सी० द्वारा वाशरी को दिसम्बर, 1988 तक पूरा किया जाना था। कंपनी अभी भी परियोजना लोड आउट व्यवस्था पर कार्य कर रही है, यद्यपि उन्होंने मुख्य वाशरी का बड़ा कार्य पूर्ण कर दिया है। परियोजना के कार्यान्वयन में विलंब के कारण इस प्रकार हैं:—

1. एम०ए०एम०सी० द्वारा देशीय तथा आयातित उपकरणों हेतु आर्डर दिए जाने में हुआ विलंब।
2. एम०ए०एम०सी० द्वारा जी०ए० ड्राईंग के प्रस्तुतिकरण में हुआ विलंब।
3. एम०ए०एम०सी० द्वारा संयंत्र के निर्माण तथा चालू किए जाने में हुआ विलंब।
4. वन भूमि की उपलब्धता में हुआ विलंब जिससे क्रास कन्ट्री कन्वेयर्स का कार्य प्रभावित हुआ।
5. कुछ व्यक्तियों ने अक्तूबर, 85 में बिहार सरकार के वन विभाग द्वारा भा०को०को०लि० को सौंपी गई भूमि के स्वामित्व का दावा किया था। यह मामला न्यायालय के निर्णयाधीन है।

(ङ) और (च) यह परियोजना फरवरी, 1984 में 71.90 करोड़ रु० की लागत से स्वीकृत की गई थी। इस विलंब के कारण, अक्तूबर, 1993 में स्वीकृत परियोजना की संशोधित लागत अब 194.18 करोड़ रु० है। चूंकि एम०ए०एम०सी० वाशरी पर अधिकांश कार्य कर चुकी थी, अतः अनुबंधकर्ता में परिवर्तन किए जाने से और अधिक विलंब हो सकता था।, एम०ए०एम०सी० से बार-बार परियोजना को पूर्ण किए जाने का अनुरोध किया गया और अन्ततः मधुबंध वाशरी को भा०को०को०लि० द्वारा

लोड पर डाल दिया गया ताकि फरवरी, 1998 से कोयले का संसाधन आरंभ किया जा सके और 10 दिसम्बर, 1998 तक लगभग 1.10 लाख टन कच्चे कोयले को संसाधित कर लिया गया। क्षतिग्रस्त कन्वेयर्स के पुर्ननिर्माण के पश्चात वाशरी फिर से कोयले का संसाधन आरंभ कर देगी।

Advanced Technology to Produce Soft Coke

159. SHRI P. PRABHAKAR REDDY: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Central Fuel Research Institute (CFRI) has developed a commercially viable and environment friendly technology to produce soft coke;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether any market survey has been carried out to assess marketability of the product and if so, with what results; and

(d) by when the product is to be marketted to meet the demand of the domestic coke in the country?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI DILIP RAY): (a) and (b) Yes, Sir. On the basis of technology developed by CFRI the low temperature carbonisation of lower grades of coal having some caking index, are carried out. This is done in a sole heated carbonisation oven wherein devolatilisation and carbonisation take place producing soft coke. The fuel has been tested by CFRI to confirm the statutory level laid down for emission of air by Central Pollution Control Board. This technology is found to be economical and commercially viable and many entepreneurs have set up such plants and some others have applied to CIL for obtaining further coal linkage clearance.

(c) It has been reported by both Coal India Limited and Central Fuel Research Institute that no market survey has been made by them.

(d) It has been reported by CFRI that about 17 plants have already been commissioned, some of which have started marketing the product.

कोयले का उत्पादन

160. **श्री डी० पी० यादव:** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:—

(क) वर्ष 1998 की समाप्ति पर देश में कुल कितने कोयले का उत्पादन किया गया तथा इसमें से कुल कितना कोयला निर्यात किया गया;

(ख) क्या यह उत्पादन गत वर्ष के दौरान की तुलना में अधिक है; और

(ग) यदि हां, तो वह मात्रा कितनी है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री दिलीप राय): (क) (अप्रैल-दिसम्बर, 1998 की अवधि के दौरान देश में कुल कोयला उत्पादन 206.31 मि०ट० (अनंतिम) रहा है। इस अवधि के दौरान निर्यातित कोयले की कुल मात्रा 0.02 मि०ट० है।

(ख) और (ग) (अप्रैल-दिसम्बर, 1998 के दौरान कोयले का उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुए उत्पादन से कुछ ही कम हुआ है। पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान कुल उत्पादन 206.355 मि०ट० था। उत्पादन में कमी विद्युत तथा सीमेंट जैसे बड़े उपभोक्ताओं द्वारा कोयले की कम उठान किए जाने के कारण हुई।

Coal mining in India

161. DR. G.B. DUTTA: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) the productivity in both opencast and underground coal mines in the country;

(b) how this compares with the productivity of coal producing countries of the world;

(c) the reasons for poor productivity in coal mines in the country; and

(d) the steps taken by Government to improve the productivity?